A–0151

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BASL (N)-301

वैदिक वाङ्मय

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. वैदिक संहिताओं की संरचना एवं विषय-वस्तु का परिचय दीजिए।

2. ब्राह्मण ग्रन्थों का स्वरूप एवं महत्व का वर्णन कीजिए।

3. पंचमहायज्ञों का स्वरूप एवं प्रतिपाद्य विषय स्पष्ट कीजिए।

4. कठोपनिषद् का संक्षिप्त परिचय एवं इसकी शिक्षाओं का विवेचन कीजिए।

5. वैदिक सूक्तों में प्रतिपादित धार्मिक एवं दार्शनिक भावों का विश्लेषण कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. ऋग्वेद का स्वरूप एवं उसमें वर्णित प्रमुख विषयों की विवेचना कीजिए।

2. वेदाङ्गों का परिचय एवं उनकी उपयोगिता बताइए।

3. अथर्ववेद की विशेषताओं एवं उसके सामाजिक महत्व का वर्णन कीजिए।

4. आरण्यक ग्रन्थों की उत्पत्ति एवं स्वरूप का विवेचन कीजिए।

5. उपनिषद् शब्द का अर्थ एवं उपनिषदों के दार्शनिक महत्व का वर्णन कीजिए।

6. प्रमुख उपनिषदों की शिक्षाओं का विवेचन कीजिए।

7. प्रमुख वैदिक भाष्यकारों का योगदान स्पष्ट कीजिए।

8. शिवसकल्पसूक्त का स्वरूप एवं प्रतिपाद्य विषय बताइए।

****